दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–1)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2201**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Amit kr yadav

Mobile Number: ______

Medium (English/Hindi): ______

Reg. Number: ______

Center & Date: ______

UPSC Roll No. *(If allotted)*: ______

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिवें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

______
मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

______
पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

प्रिय अभ्यर्थी,

* सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने का प्रयास करें।
* विषय के संदर्भ में आपकी अवधारणात्मक समझ स्पष्ट है।
* विषयवस्तु, संदर्भ एवं विश्लेषण दक्षता, भाषा शैली, लेखन शैली एवं प्रस्तुतीकरण प्रभावी है।
* परिचय दक्षता अच्छी है।
* अभ्यास की निरंतरता बनाए रखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. स्वतंत्र भारत में सहकारिता आंदोलन के उदय के लिये कौन से सामाजिक-आर्थिक कारक जिम्मेदार थे? साथ ही, इस आंदोलन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

What were the socio-economic factors responsible for the emergence of the cooperative movement in post-independent India? Also, highlight the key characteristics of this movement. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहकारी संगठन कुछ व्यक्तियों का स्वैच्छिक समूह है, जो अपने सामाजिक-आर्थिक विकास व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए समूहबद्ध होकर लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करते हैं।

परिचय दक्षता अच्छी है

सहकारिता आंदोलन भारत में आजादी से पूर्व ब्रिटिश काल में भी दिखाई पड़ती है, जहाँ आर्थिक, कृषक औद्योगिक समूह दिखाई पड़ते हैं किंतु यह स्वतंत्रता भारत मे ज्यादा व्यापक दिखाई पड़ती है -

① स्वतंत्रता के पश्चात भारत मे मिश्रित अर्थव्यवस्था के अपनाए जाने से सहकारी संगठन निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के बीच संतुलन बना रहे थे।

② भारत में कृषि व पशुपालन के क्षेत्र में पिछड़ेपन को दूर करने के संदर्भ में सहकारिता को बढ़ावा मिला, जहां अमूल जैसी संस्था का उदाहरण

③ महिलाओं व वंचित वर्गों के विकास के लिए सहेली जैसे संगठन सामने आए

④ राष्ट्रीय सहकारी विकास कॉर्पोरेशन के गठन से सहकारिता को बल मिला।

- गरीबी
- बेरोजगारी
- जमींदारी प्रथा
- महाजनी व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सहकारिता आंदोलन ने भारत के विकास को समावेशी बनाने का प्रयास किया जो निम्न विशेषताओं से युक्त रही -

① कृषि व अन्य उत्पादकों से जुड़ी सहकारिताएं कृषि विकास व वितरण को सशक्त बनाती हैं।

② यह महिलाओं व वंचित वर्गों को सशक्त बनाती हैं।

③ यह बैंकिंग सहकारिताओं के माध्यम से वित्तीय का प्रसार करती है।

④ इन पर जातीय पूर्वाग्रह का आरोप भी लगता है

⑤ इनके संदर्भ में राज्य विषय में शामिल होने से कानून की अधिकता की समस्या है

⑥ यह लोकतांत्रिक प्रणाली पर कार्य करते हैं किंतु संगठनात्मक नीति के पूर्ण विकास के अभाव में अनियमितता की स्थिति बनती हैं

भारत सरकार ने सहकारिता को सशक्त बनाने के लिए 97th संविधान संशोधन कर इसे भाग-IVa में शामिल किया है, जो इनकी स्वायत्तता की स्थिति को सशक्त बनाता है।

Good

05/10

विषयवस्तु तथा संदर्भ दक्षता प्रभावी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. स्वतंत्र भारत के बाद दलित आंदोलन के कई प्रवृत्तियों का उदय हुआ। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
Post independent India witnessed emergence of multiple trends of Dalit movement. Analyse. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय समाज में वर्ण व्यवस्था के आधार पर निचले वर्गों, जो कि अस्पृश्यता व जातिगत पूर्वाग्रहों का शिकार थे को दलित शब्द से जाना जाता है, इनके विकास व समाज की मुख्य धारा में सहभागिता के लिए कई आंदोलनों की स्थापना हुई।

स्वतंत्रता पूर्व ही फुले, पेरियार, अम्बेडकर जैसे समाज सुधारकों ने दलित उत्थान के लिए सामाजिक राजनीतिक आंदोलनों को आगे बढ़ाया, जो आजादी के बाद भी जारी रहा।

स्वतंत्रता पश्चात दलित आंदोलन के चरण व प्रणालियां -

① प्रथम चरण संवैधानिक उपायों के तहत अस्पृश्यता उन्मूलन अधिनियम, 1956 व संवैधानिक अधिकारों से आरंभ हुआ, जहाँ उनके अधिकारों को मान्यता दी गई।

② द्वितीय चरण में बिहार के दलित सेना, पुणे में दलित पैंथर आदि संगठन उभरे

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया

दलितों का राजनीतिकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वर्ग और जाति संघर्षों का समायोजन

आए, जो जातिगत हिंसा की प्रतिक्रिया में हिंसात्मक पहलुओं से युक्त रहे। इन्हीं से दलित मुद्दे की झलक मिलती है,

③ तृतीय चरण की शुरुआत कांशीराम द्वारा बामसेफ, BSP जैसी संस्था के तहत राजनीतिक प्रयासों से हुई, जहां आगे चलकर बसपा ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व को अपना हथियार बनाया और दलित व बहुजन मुद्दों की बात की

④ इसी क्रम में दलितों की जागरूकता के लिए विश्वविद्यालयों, राजनीतिक, प्रशासनिक प्रतिनिधित्व की बात की गई।

05/10

उत्तर की संरचना तथा विश्लेषण सराहनीय है

दलित सुधार भारतीय समाज के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण आयाम है, जिसके संदर्भ में जातीय पूर्वाग्रह बड़ी बाधा है, इसे संवैधानिक नैतिकता की भावना के प्रसार व सामाजिक सुधार से दूर किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय समाज में पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव हुआ है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्द) 10

Globalization has resulted in a clash between the traditional and modern values in Indian society. Do you agree? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण संपूर्ण विश्व के एकीकृत गांव में परिवर्तित होने की संकल्पना है, यह देशों के मध्य आर्थिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक जुड़ाव को दर्शाता है।

वैश्वीकरण का भारतीय पारंपरिक समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा है, जो आधुनिक व पारंपरिक मूल्यों में टकराहट को जन्म देता है, -

① इसके पश्चात भारतीय संयुक्त परिवार प्रणाली पर एकल परिवार प्रणाली के विकास से चोट पहुंच रही है,

② इसके पश्चात सहभागिता के भारतीय मूल्यों का स्थान व्यक्तिवादी मानसिकता ले रही है

③ समाज में उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार हो रहा है,

④ भारतीय स्थानीय भाषा का स्थान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अंग्रेजी बोली जा रही है

③ स्थानीय उत्पादों का स्थान विदेशी ब्रांड बर्गर जैसे ~~विदेशी~~ उत्पाद ले रहे हैं

• भारतीय पारंपरिक परिधान का स्थान ~~धोती कुर्ता~~ जींस-टीशर्ट ले रहे हैं

फिर भी इसके कुछ सकारात्मक प्रभाव भी पड़े हैं –

① महिला अधिकारों की दशा उन्नत है,

② LGBTQ+ जैसे उपेक्षित वर्गों के संदर्भ में जागरूकता बढ़ी है

④ वंचित वर्गों का सशक्तिकरण हुआ है

⑤ भारतीय खाद्य वस्तुओं जैसे लिट्टी चोखा वैश्विक स्तर पर छाया है

4.5/10

* संदर्भ एवं विश्लेषण दक्षता अच्छी है।
* विषयवस्तु के स्तर पर सार्थक प्रयास

संक्षिप्त निष्कर्ष लिखा जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. ब्रिटिश भारत पर महामंदी के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the impact of the Great Depression on British India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1929 के अमेरिकी शेयर (बाजार) में आयी गिरावट से उपजी वैश्विक मंदी का प्रभाव पूरे विश्व सहित भारतीय दशाओं पर भी पड़ा।

ब्रिटिश भारत पर प्रभाव

① भारतीय औद्योगिक निर्यात 1929 से 1934 तक 50% तक कम हो गई।

② भारतीय जूट, कपास आदि फसलों की कीमत में 60% से ज्यादा की कमी आयी।

③ औद्योगिक उत्पादन गिर गया।

④ महंगाई में वृद्धि हुई।

स्वतंत्रता आंदोलन पर प्रभाव

• महंगाई बढ़ने व उत्पादन गिरने से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृषक, श्रमिक, ~~और~~ उद्योगपति सभी वर्गों की समस्याओं में वृद्धि से सामाजिक तनाव बढ़ा।

② बढ़े हुए सामाजिक तनावों ने कांग्रेस के जनाधार में वृद्धि की।

③ गांधी ने इसी प्रभाव से सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया, जिसे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

ब्रिटिश भारत पर महामंदी का राजनीतिक प्रभाव ज्यादा महत्वपूर्ण है जहां स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा मिली, ~~जिस~~ जिससे अंग्रेजी शासन की जड़े कमजोर हुई।

4.5/10

विषयवस्तु तथा प्रस्तुतीकरण अच्छा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. भारत में भूमि सीमा कानूनों के विफल होने के कारणों का विश्लेषण कीजिये। साथ ही, भूमि सुधारों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में भूदान आंदोलन की भूमिका का आकलन कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the reasons behind the failure of land ceiling legislations in India. Also, assess the role of the Bhoodan Movement in achieving the objectives of the land reforms. (150 Words) 10

भारत में औपनिवेशिक शासन की विरासत के रूप में जमींदारी प्रणाली व सामंती प्रणाली पर आधारित भू संरचना मिली थी, जो समाज में असमानता को बढ़ाती थी। इसे दूर करने के क्रम में सरकार ने अनेक भूसुधार कानूनों को अपनाया।

भू सुधार कानून → हदबंदी कानून
→ चकबंदी कार्यक्रम
→ काश्तकारी अधिनियम

फिर भी ये कानून पूर्णतः सफल नहीं रहे क्योंकि

① जमींदारों व भूस्वामियों ने अपने स्वजनों नौकरों के अपनी जमीन बांटकर हदबंदी कानून को असफल कर दिया।

② इसके लिए बड़े राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता थी, जो नहीं दिखी।

③ प्रशासनिक कार्यवाहियों में अनियमितता शामिल रही।

④ वंचित वर्गों में अशिक्षा व जागरूकता का अभाव था।

⑤ बंजर व अनुपजाऊ भूमि को एक भूमि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सार्थक।

सुधारों के उद्देश्य व उनकी सफलता में विनोबा भावे द्वारा चलाए गए आंदोलन की योगदान रहा —

① यह गांधीवादी विचार पर आधारित सहयोग समन्वय से भूमि वितरण पर बल देता था,

② इन्होंने जमींदारों से भूमि दान लेकर गरीबों में वितरण का प्रयास किया

③ इसके तहत 6 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा भूमि प्राप्त हुई,

किंतु यह भूमि अनुत्पादक व कानूनी विवादों में उलझी थी, जिसके कारण इनका पुनर्वितरण असफल रहा।

Good

05/10

* विषय की समावेशीय समझ है

* विषयवस्तु, संदर्भ दक्षता तथा उत्तर की रूपरेखा प्रभावी है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारत में स्वतंत्रता के बाद से विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of women in various social, political and environmental movements since independence in India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाली महिलाओं ने आजादी के पश्चात भारत के समावेशी विकास में भी महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

सामाजिक भूमिका

① महिला अधिकारों की जागरूकता व मांग को प्रभावित किया,

② महिला स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को उजागर कर, प्रसव सुविधा, मातृत्व अवकाश आदि को प्रभावी बनाया है,

③ समाज में पितृवादी मानसिकता को कमजोर बनाया है

④ सेवा, जैसे संगठनों ने सहकारी व स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति दी है,

⑤ दहेज उत्पीड़न, महिला अशिक्षा को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका सामने आयी है,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक :-

- महिला सहभागिता के बढ़ाते
- जेपी आंदोलन के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को संवर्धित किया है।
- इंदिरा गांधी, मायावती, ममता जैसी सशक्त लीडरशिप सामने आयी है।
- पंचायतों में आरक्षण के प्रावधान के पश्चात ग्रामीण प्रशासन कनीकृत हुआ है,
- महिला अधिकार के विषय पर विमर्श बढ़ा है,

पर्यावरणीय :

मेधा पाटकर चिपको आंदोलन से लेकर नर्मदा आंदोलन में महिलाओं ने नेतृत्व प्रदान किया है।

- निष्कर्ष

4.5/10

विषयवस्तु के स्तर पर बेहतर प्रयास

संक्षिप्त निष्कर्ष लिखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. क्या रूस 1917 की क्रांति से बच सकता था? यह क्रांति अपने वादों को पूरा करने में कहाँ तक सफल रही? (150 शब्द) 10

Could Russia have avoided revolution in 1917? How far was the revolution successful in fulfilling its promises? (150 Words) 10

परिचय दृष्टता अच्छी है।

मार्क्सवादी सिद्धांतों पर आधारित रूसी क्रांति के पश्चात रूस में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई, जो तत्कालीन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों की उपज थी।

रूसी क्रांति के संदर्भ में कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यदि जारशाही बुद्धिमत्तापूर्ण शासन करती तो इसे टाला जा सकता था, किंतु निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले घटकों का विश्लेषण आवश्यक है -

1. रूस में जारशाही निरंकुश दैवीय शासन से युक्त थी, जबकि पूरे यूरोप में जनतांत्रिक मांग व सरकारें स्थापित हो रही थी,
2. रूस में फ्रांस के समान विशेषाधिकार प्राप्त विशिष्ट वर्ग उपस्थित थे, जबकि मजदूर अधिकार विहीन थे तो कुलीन, जारी अधिकार युक्त थे
3. रूसी शासन के 1905 में जापान से पराजय के पश्चात लोगों की राष्ट्रीय भावना आहत हुई।
4. रूस में बोल्शेविक व मान्शेविक मार्क्स के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विवादों को प्रभावित कर रहे थे।

- प्रथम विश्वयुद्ध में रूस के सहभागिता से जनजीवन में कठिनाई बढ़ रही थी
- ड्यूमा का गठन कर भंग करना भी तनाव का कारण था।

इसी क्रम में फरवरी मे रूसी लेबर पार्टी के लोग सेंट पीटर्सबर्ग मे एकत्रित हुए, जिससे क्रांति की शुरुआत हुई।

क्रांति के पश्चात रूस में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई, जो निम्न विशेषताओं से युक्त थी -

1. रूस में जारशाही की समाप्ति हुई,
2. विशेषाधिकार की समाप्ति कर वर्ग विहीन समाज की स्थापना
3. धार्मिक पूर्वाग्रहों पर चोट की गई
4. महिला शिक्षा व अधिकारों की बात सामने आयी।
5. कृषि व उद्योगों का सामूहीकरण हुआ

रूस की क्रांति के पश्चात वहां सर्वहारा के शासन की बात की गई थी, किंतु वहां सर्वहारा पर तानाशाही के शासन की स्थापना हुई, फलतः जनाधिकार बाधित हुए।

Very Good

5.5/10

* विषयवस्तु व विश्लेषण व्यापक, संतुलित एवं व्यावहारिक है।

* भाषा शैली तथा लेखन शैली प्रभावी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. सोवियत संघ के पतन ने चमत्कारिक ढंग से शीत युद्ध की समस्या का समाधान किया लेकिन नई समस्याओं को भी प्रज्वलित किया। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The collapse of the USSR miraculously solved the problem of the cold war but ignited new problems too. Explain. (150 Words) 10

1991 में साम्यवादी सोवियत का पतन हुआ, जिसके पश्चात विश्व व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आया।

- वस्तुतः शीतयुद्ध मुख्यतः सोवियत संघ व अमेरिका के वैचारिक संघर्ष था, अतः रूस के विघटन के पश्चात इस चुनौती का अंत हो गया।
- इसके साथ ही विश्व द्वि-ध्रुवीय तनाव से मुक्त हो गया।
- परमाणु युद्ध व युद्ध की मानसिकता का पतन हो गया।

नवीन समस्याएँ

- विश्व के एकध्रुवीय होने के पश्चात अमेरिकी प्रभुत्व व दादागिरी में वृद्धि ने नवीन तनावों को जन्म दिया।
- चीन का उभार एक चुनौती बनकर उभरा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- नवउपनिवेशवादी शोषण को गति मिली
- आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधाएं बढ़ी
- नवीन और राष्ट्र प्रशासनिक व्यवस्थाएं लागू करने में असफल रहे, फलतः मध्यएशिया में नवीन संगठित अपराध मादक पदार्थों की तस्करी वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिला
- विकासशील देशों के तकनीकी व आर्थिक वित्तीयन में बाधा उत्पन्न हुई।

सोवियत संघ के विघटन के पश्चात विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था का विकास हुआ, जहां विश्वव्यापार संगठन व क्षेत्रीय सहयोग संगठनों ने आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाया है।

- परमाणु हथियार
- धार्मिक समस्याएँ
- नागरिक संघर्ष और मुद्दे

4.5/10

* उत्तर की रूपरेखा सराहनीय है।
* विषयवस्तु, संदर्भ दक्षता एवं प्रस्तुतीकरण प्रणाली बेहतर हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत की महिलाओं की स्थिति में सुधार गरीबी उन्मूलन में अत्यधिक योगदान दे सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Improving the condition of women of India can immensely contribute to poverty alleviation. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तेंदुलकर समिति के अनुसार भारत में लगभग 22% जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे निवासरत है जिसमें महिलाओं की बड़ी संख्या शामिल है।

गरीबी व महिलाएं
- → लगभग 49% जनसंख्या महिलाओं की है
- → साक्षरता दर 65% जबकि पुरुषों की 85%
- → पितृसत्तात्मक समाज के कारण आर्थिक भागीदारी कम है
- → समाज में महिलाओं का आर्थिक नियोजन कम है
- → LFPR की रिपोर्ट के अनुसार महिला सहभागिता दर गिरकर 17% तक आ गई है।

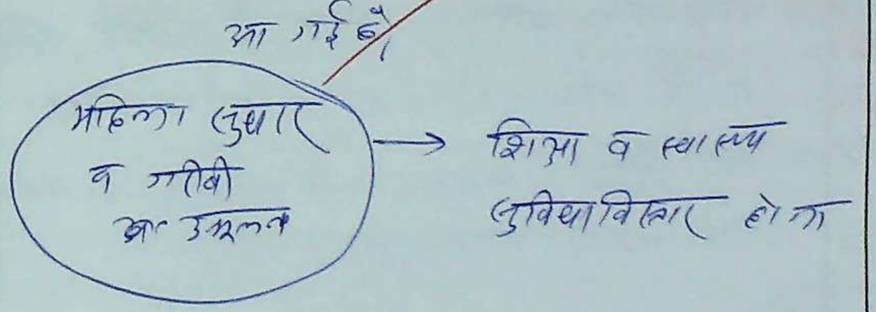

महिला सुधार व गरीबी का उन्मूलन
- → शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधा विस्तार होना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से नीतियों में संवेदनशीलता आएगी

↳ स्वयं सहायता समूहों व सहकारिता की प्रभावशीलता बढ़ेगी,

↳ STEM शिक्षा का विस्तार होने स्टार्टअप वातावरण का विस्तार होगा।

↳ क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती संख्या के कारण महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है

↳ आर्थिक व पर्यावरणीय पहलुओं में संतुलन आ सकता है.

→ आर्थिक विकास का समावेशी विकास में परिवर्तन होगा

महिला सशक्तिकरण गरीबी को दूर करने का प्रमुख आयाम है, यही वजह है कि सरकार ने स्टार्ट अप व स्टैण्ड अप इंडिया कार्यक्रमों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया है।

Good

05/10

संदर्भ एवं विश्लेषण दक्षता सराहनीय है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. शहर अपने निवासियों को गाँवों की तुलना में अज्ञातवास प्रदान करते हैं। विवेचना कीजिये कि कैसे शहरीकरण ने भारत में जातिगत पहचान को कम करने में मदद की है? (150 शब्द) 10

Cities offer relative anonymity to their inhabitants. Examine how urbanization has helped in diluting caste identities in India? (150 Words) 10

शहर ऐसे क्षेत्र को कहते हैं जहां अधिकतम जनसंख्या और द्वितीयक कार्यों में संलग्न हो, भारत में तीव्र शहरीकरण शहरों की संख्या व सघनता में तीव्र वृद्धि कर रहा है।

शहर गांव की तुलना में अधिक अज्ञातवास प्रदान करते हैं क्योंकि -

(1) यहां सामाजिक स्थिति से ज्यादा आर्थिक स्थिति पर बल दिया जाता है।

(2) यहां व्यक्ति के पास अत्यधिक व्यस्तता के कारण दूसरों के लिए समय नहीं होता है

(3) फ्लैट जैसे आवास पड़ोसी संबंधों को समाप्त कर अज्ञातवास को बढ़ाते हैं

(4) बढ़ती मलिन बस्तियां भी अज्ञातवास को बढ़ाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शहरीकरण व जातिगत पूर्वाग्रह में कमी

↳ सकारात्मक प्रभाव → आर्थिक पश्चात प्रभावी
→ जातिगत पूर्वाग्रह में कमी
→ शिक्षा व जागरूकता के प्रसार
→ व्यक्तिपरक संबंधों का निर्माण

नकारात्मक प्रभाव → जातिगत पूर्वाग्रह कमी हुई है)
→ जातिगत आधार पर बस्तियों एवं सोसायटी का निर्माण
↳ जातिगत निर्णायता का पहलु भी शामिल है

अतः शहरीकरण ने गांवों व शहर की तरफ पलायन को बढ़ाया है जहाँ जातिगत पूर्वाग्रह कम हुए हैं किंतु इनका सम्पूर्ण नाश शिक्षा व्यवस्था व समाज में संवेदनशीलता को बढ़ाने पर निर्भर है।

05/10

* विषय के संदर्भ में प्रभावी संदर्भ है।

* प्रस्तुतीकरण अच्छा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. भारत में आज भी अस्पृश्यता कायम है। अस्पृश्यता के विरुद्ध उपलब्ध संवैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लेख कीजिये। भारत में अस्पृश्यता के उन्मूलन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख कीजिये? (250 शब्द) 15

Untouchability continues to persist in India even today. Mention the constitutional safeguards available against untouchability. Also enumerate the challenges faced in the eradication of untouchability in India? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में अस्पृश्यता एक प्रमुख सामाजिक बुराई है, जिसको दूर करने के क्रम में कई समाज सुधार आंदोलन हुए। आजादी के पश्चात सरकार ने संवैधानिक व कानूनी प्रावधानों से इसे दूर करने का प्रयास किया है।

फिर भी दलित व वंचित वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह व अस्पृश्यता के घटनाक्रम बहुतायत दिखाई पड़ते हैं।

परिचय उपयुक्त अच्छा है

अस्पृश्यता के विरुद्ध सुरक्षा के उपाय -

① संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनु०-17 के तहत अस्पृश्यता उन्मूलन की बात की है।

② अस्पृश्यता उन्मूलन अधि० 1956 के तहत अस्पृश्यता को अवैधानिक बनाया गया है।

③ एट्रोसिटीज एक्ट के तहत अस्पृश्यता को गैरजमानती अपराध बनाया गया है।

अनुच्छेद-17, 46, 338

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

- अनु०-21 के तहत गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार में अस्पृश्यता व दुर्भाग्रह पर चोट की गई है।

फिर भी अस्पृश्यता की भावना विद्यमान रही है और ये जाग्रत कम प्रभावी सिद्ध हुए है।

① सामाजिक कारण

- परंपरागत समाज जातिगत पूर्वाग्रह अभी भी विद्यमान है
- धार्मिक मान्यताएं व पूर्वाग्रह भी अस्पृश्यता को बढ़ाती हैं।
- अशिक्षा व जागरूकता का अभाव भी एक कारण है।

② आर्थिक कारण :-

- वंचित वर्गों के समूह अभी भी गरीबी व अशिक्षा से युक्त है, फलतः उनकी आवाज सशक्त नहीं हो पाती है।
- भूमिहीनता व वंचना की भावना वंचितवर्गों की दशा को कमजोर बनाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

③ प्रशासनिक कारण

- संवैधानिक व कानूनी प्रावधानों को लागू करने में संवेदनहीनता।
- वंचित वर्गों से संवादहीनता
- भावनात्मक प्रज्ञता का अभाव

④ राजनीतिक

- प्रतिनिधित्व का अभाव
-

अस्पृश्यता एक सामाजिक बुराई है, इसे शिक्षा व जागरूकता की जागृति कर दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए, दलित व वंचित वर्गों की राजनीतिक व प्रशासनिक भूमिका को बढ़ाने की आवश्यकता है, ~~इसी क्रम~~ में

7.5/15

विषयवस्तु तथा प्रस्तुतीकरण सराहनीय है।

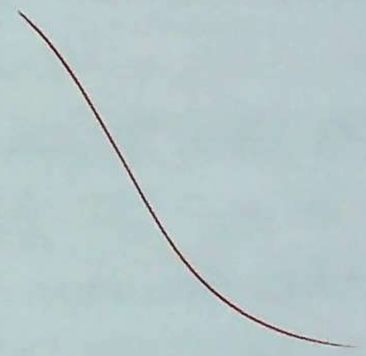

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. वर्साय की संधि अस्थिर शांति का अस्थायी आधार थी। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Treaty of Versailles was a patchwork for unstable peace. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1919) के पश्चात पेरिस शांति सम्मेलन - जर्मनी के साथ वर्साय की संधि की गई।

वर्साय संधि के प्रावधान
- → जर्मनी पर युद्ध क्षतिपूर्ति
- → सार घाटी पर फ्रांस का नियंत्रण
- → नौसेना का विघटन, राइनलैंड का विसैन्यीकरण
- → पोलैंड को डेंजिग बंदरगाह व पोलिश गलियारा
- → चेकोस्लोवाकिया की स्वतंत्रता

• वर्साय संधि के प्रावधान जर्मनी पर थोपे गए थे। वस्तुतः विश्व युद्ध का एकमात्र उत्तरदायी जर्मनी ही नहीं था, किंतु उसे ही उत्तरदायी सिद्ध कर संधि के प्रावधान थोपे गए।

- पेरिस शांति सम्मेलन में वुडरो विल्सन के सिद्धांत की उपेक्षा कर जर्मनी के क्षेत्रों का विभाजन किया गया।

- पेरिस शांति सम्मेलन में फ्रांस के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

क्लीमेंशू ने जर्मनी से फ्रैंकफर्ट के प्रतिशोध के तहत सार घाटी व राइनलैंड पर नियंत्रण किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्साय की संधि के तहत जर्मनी की सीमाओं का विभाजन, विसैन्यीकरण आदि जर्मन राष्ट्रवाद के आहत होने का कारण था, इसी के पश्चात वहां पर हिटलर के उदय को बल मिला, जिसने जर्मन राष्ट्रवादी भावना को उभारने के साथ जर्मनी साम्राज्यवादी विस्तार पर बल दिया।

o जर्मनी में नाजी शासन ने वर्साय संधि के अपमान का बदला लेने के लिए सैन्यीकरण, गुटबंदी व साम्राज्यवादी विस्तार पर बल दिया।

- हिटलर ने इटली जापान के साथ मिलकर एक धुरी का निर्माण किया।

. हिटलर ने वर्साय संधि के प्रावधानों का उल्लंघन कर जर्मनी का सैन्यीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

न पनडुब्बी को नष्ट किया, फलत: मित्र राष्ट्रों के प्रभाव में वृद्धि हुई। यूरोप में गुटबंदी को बढ़ावा मिला फ्रांस ब्रिटेन, ~~अमेरिका~~ अपने हितों की रक्षा के लिए संगठित हुए, फलत: द्वितीय विश्व युद्ध का आधार तैयार हुआ।

Good

7.5/15

* विषय की प्रभावी जानकारी दी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत जैसे देश में क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिये एक चुनौती है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Regionalism is a challenge to national unity and integrity in a country like India. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्षेत्रवाद किसी क्षेत्र विशेष के हितों को अन्य क्षेत्रों के हितों के विरुद्ध मानने की अवधारणा से जुड़ी है जो राष्ट्रीय एकता पर प्रश्न चिह्न लगाती है।

क्षेत्रवाद व राष्ट्रीय एकता अखण्डता पर चुनौती

→ क्षेत्रीय अस्मिता प्रबल होने से राष्ट्रीय अस्मिता कमजोर होती है

→ क्षेत्रीयता की भावना ने हिंसात्मक गतिविधियां अलगाववाद को बढ़ाती है

→ क्षेत्रीय विवादों को जन्म देती है।

→ नवीन राज्यों के गठन की मांग प्रशासनिक जटिलता को बढ़ाती है।

→ भूमिपुत्र की अवधारणा राजनीतिक ~~टकराव~~ बढ़ाती है,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ प्रवासी श्रमिकों के विरुद्ध हिंसा तनाव व आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करती है।

फिर भी क्षेत्रवाद ने भारतीय राष्ट्रवाद में कुछ सकारात्मक भूमिका को भी निभाया है –

① क्षेत्रीय भाषा साहित्य को पहचान मिली है।

② क्षेत्रीयता ने आर्थिक विकास को विकेंद्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

↳ स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधनों के विकास पर बल दिया जा रहा है।

↳ संघात्मक ढांचा सशक्त हुआ है।

क्षेत्रवाद की भावना राष्ट्रीय एकता के समक्ष प्रमुख चुनौती है इसके लिए समावेशी व विकेन्द्रित नीतियों को अपनाना महत्वपूर्ण है, यही कारण है कि नीति आयोग के तहत विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली को अपनाया

08/15

Good

* विषयवस्तु सारगर्भित एवं संतुलित है।
* प्रस्तुतीकरण अच्छा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

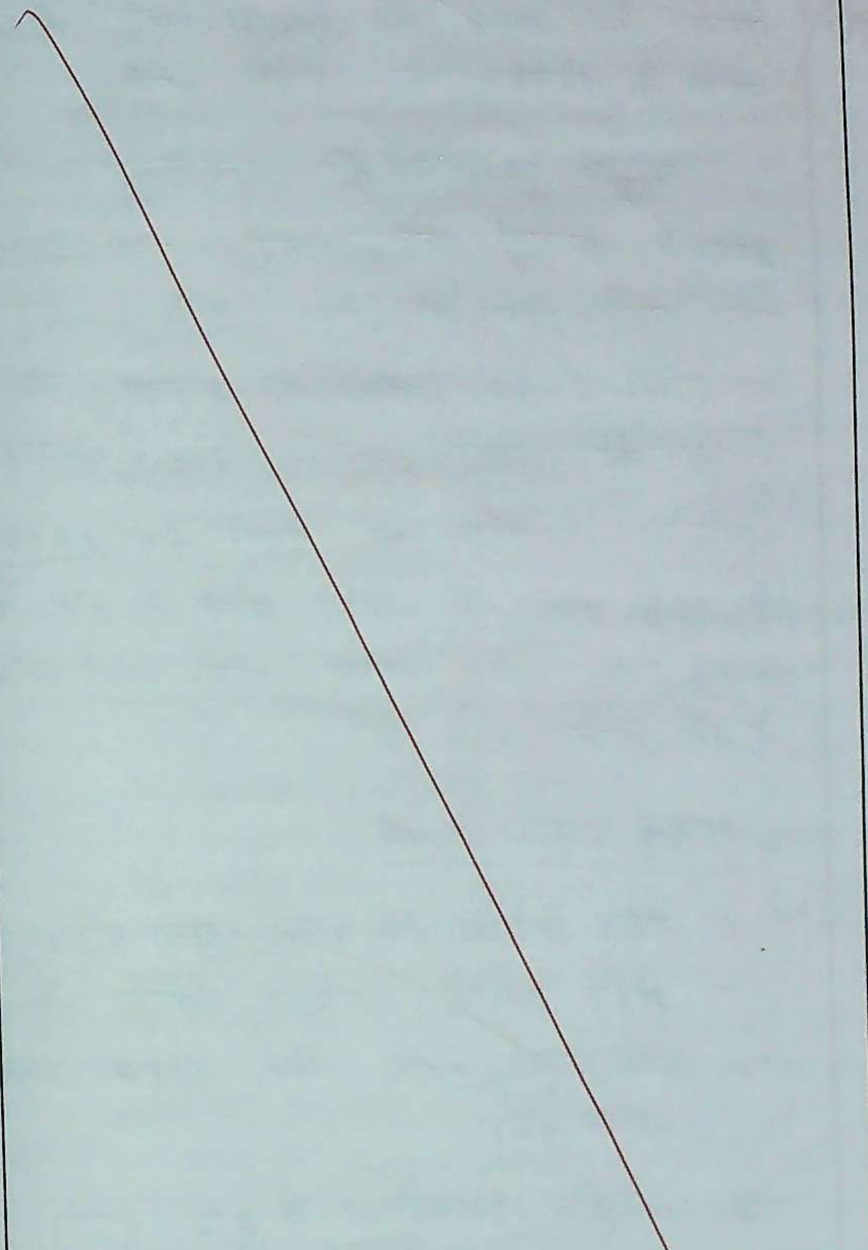

गया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. आपकी राय में, क्या राज्यों के भाषायी पुनर्गठन ने भारत को लाभ या हानि पहुँचाया है? (250 शब्द) 15
In your opinion, has the linguistic reorganization of states helped or harmed India. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका अच्छी है।

भारतीय भाषायी विविधता, क्षेत्रीय अस्मिता व पहचान की भावना को सशक्त बनाती है, जो राज्यों के पुनर्गठन का आधार बनी।

वस्तुतः स्वतंत्रता पूर्व ही नेहरू रिपोर्ट व कांग्रेस ने भाषायी आधार पर राज्य निर्माण का समर्थन किया था, किंतु आगे चलकर धर समिति व JPV समिति ने भाषायी राज्यों के गठन को नकारा किया। किंतु भाषायी आंदोलनों की तीव्रता को देखते हुए 1956 में आन्ध्र प्रदेश को तेलगु राज्य के रूप में अपनाया गया, आगे चलकर फजल अली आयोग ने इसे मान्यता प्रदान की।

भाषायी पुनर्गठन से लाभ

- क्षेत्रीय अस्मिता की भावना संतुष्ट हुई।
- क्षेत्रीय भाषायी, साहित्यिक विकास को बढ़ावा मिला, तेलगु, उड़िया, गुजराती भाषाएं सशक्त हुई।
- प्रशासनिक क्रियाशीलता में वृद्धि हुई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- संघवादी मानसिकता सशक्त हुई।
- भारतीय राष्ट्रवाद का आधार व्यापक हुआ।

हानि –

1. क्षेत्रवाद की भावना का अलगाववाद में रूपांतरण हुआ,
2. नए-नए राज्यों के गठन की मांग सामने आयी,
3. गोरखालैण्ड जैसे राज्यों के गठन की मांग के संदर्भ में हिंसात्मक गतिविधियां सामने आती हैं।
4. राज्यों के अंदर क्षेत्रीय व छोटी भाषाओं पर जोर हुई, उर्दू जैसी भाषा पर सर्वाधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा,
5. अनेक छोटे राज्यों के गठन से उनकी वित्तीयन के संदर्भ में संघ पर निर्भरता बढ़ी है

भारत के भाषायी पुनर्गठन ने भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय सामाजिक आर्थिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर को नई दिशा दीजिये

7.5/15

सीमाओं को बताते हुए सुझावात्मक निष्कर्ष लिखें।

सुझाए गए बिंदुओं के संदर्भ में उत्तर को और प्रभावी बनाया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. लैटिन अमेरिका को उपनिवेशवाद से मुक्ति मिलने के बाद भी स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता था। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Latin America was far from being independent even after decolonization. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में, भाषा न केवल देश की विविधता का प्रतिबिंब है, बल्कि जाति व्यवस्था, सांस्कृतिक उत्पीड़न और सामाजिक असमानताओं की वाहक भी है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

In India, language is not only a reflection of the diversity of the country but is also the carrier of the caste system, cultural oppressions and societal inequalities. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय में भाषायी विविधता, क्षेत्रीय स्तर पर सांस्कृतिक आयामों व गतिविधियों की वाहक है जो समाज को सशक्त बनाने के साथ कुछ पूर्वाग्रह से भी ग्रस्त है।

भाषा और विविधता

- भारत में भाषा भारतीय विविधता का आधार है,
- यह विविधता क्षेत्रीय साहित्य व सांस्कृतिक मान्यताओं का आधार है।
- गुजराती, हिंदी, तमिल, तेलुगू, पंजाबी, असमी साहित्य व अन्य भाषायी साहित्यिक लेखन सांस्कृतिक परंपरा की विविधता को सशक्त बनाते हैं।

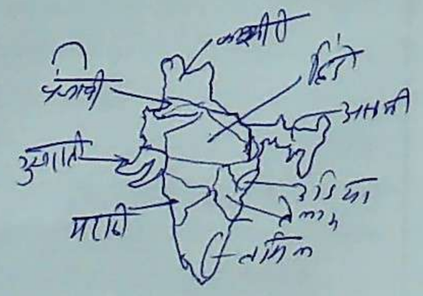

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- भाषाएँ ही भारतीय क्षेत्रीय पहचान को सशक्त बनाती हैं।
- संविधान के आठवीं अनुसूची के तहत मान्यता भाषायी विविधता को सशक्त बनाता है।
- .

(ii) भाषा और जाति व्यवस्था

- भाषा साहित्य का विकास एक क्षेत्र से जुड़ा होता है यह सामान्यतः सभी क्षेत्रवासियों से जुड़ी होती है जो सांस्कृतिक उत्पीड़न व सामाजिक असमानता के पहलुओं से परे होती है, किंतु भारत में यह जातिगत उत्पीड़न व सांस्कृतिक व सामाजिक उत्पीड़न का आधार बनी है —

Good

① भाषा के साहित्य व लिपि के विकास में समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग का योगदान अधिक रहा, जो सामाजिक पूर्वाग्रहों से युक्त है। यही वजह है कि जातिगत पूर्वाग्रह की झलक साहित्यों में भी दिखती हैं।

② साहित्य के स्तर पर कई धर्मग्रंथ जातिगत व्यवस्था को मान्यता प्रदान करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

• समाज के निचले वर्गों के तांत्रिकरण के क्रम में उनकी कुछ मान्यताओं व परंपराओं का स्थान ब्राह्मणवादी मान्यताएं ले रही है।

• उच्च शिक्षा व रोजगार से युक्त होने के कारण शुद्ध संस्कृत के साथ जो ज्ञानी वर्ग में रोजगार का माध्यम माना गया फलतः यह संस्कृत व उच्च वर्गों की भाषा बनी रही है

• अंग्रेजी भाषा का ज्ञान व स्थानीय भाषा के साथ के आर्थिक समायोजन में पूर्वाग्रह असमानता बना देती है

विषयवस्तु, संदर्भ दक्षता एवं प्रस्तुतीकरण सराहनीय है।

7.5/15

संक्षिप्त निष्कर्ष लिखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. कोरियाई युद्ध को समाप्त करने वाले "युद्धविराम समझौते, 1953" को लागू करवाने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Highlight the role played by India in effectuating the "Armistice Agreement, 1953", that ended the Korean War. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शुरुआत अच्छी है

कोरियाई युद्ध शीत युद्ध का कोरियाई प्रायद्वीप पर प्रभाव माना जाता है, जहां उत्तरी व दक्षिणी कोरिया के युद्ध हुए

उत्तर कोरिया v/s दक्षिण कोरिया
↓ रूस, चीन ↓ साम्यवादी विचारधारा
↓ जापान, अमेरिका ↓ पूंजीवादी विचारधारा

कोरियाई युद्ध 1950 में आरंभ हुआ जिसके पश्चात 1953 में युद्धविराम समझौते के तहत शांति स्थापना का प्रयास किया, जिसमें भारत का प्रमुख योगदान रहा

भारत की भागीदारी की आवश्यकता

① भारत ने पूंजीवादी व साम्यवादी गुट के बीच संवाद को प्रभावी बनाया।

② शरणार्थी आयोग के तहत शरणार्थियों के पहचान व उनकी वापसी में भारतीय पीसकीपिंग सेना का महत्वपूर्ण योगदान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

या

- भारत ने सैनिकों के लिए मेडिकल व चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करायी,
- युद्ध निःशस्त्रीकरण व आक्रामकता को रोक दिया,
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के द्वारा युद्ध के प्रसार पर नियंत्रण लगाने के लिए दबाव बनाया

भारत ने कोरियाई युद्ध में शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, किंतु आगे चलकर चीन के विरोध के कारण शरणार्थी उच्चायोग की अध्यक्षता भी संयुक्त राष्ट्र को सौंप दी गई।

07/15

* विषय के संदर्भ में अवधारणात्मक समझ स्पष्ट हैं
* विषयवस्तु को और विस्तार दें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका पर प्रकाश डालिये। साथ ही उसकी रक्त और लौह की नीति के बारे में भी चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the role of Bismarck in the unification of Germany. Also, talk about his policy of blood and iron. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिचय दसता अच्छी ही

• बिस्मार्क एक यथार्थवादी राजनीतिज्ञ था, जिसने अपने रक्त व लौह की नीति पर जर्मनी का एकीकरण (1871) पूरा किया।

• वस्तुतः बिस्मार्क का मानना था कि यूरोप में अन्य राष्ट्र शक्ति संतुलन को देखते हुए कभी भी ~~स अभी~~ जर्मनी के एकीकरण को पूर्ण नहीं होने देंगे, अतः जर्मनी का एकीकरण स्वयं के प्रयासों से ही होगा। साथ ही उसका कहना था कि जर्मनी की जनता प्रशा के सैन्य क्षमता की तरफ देख रही है। ~~जिसके~~ अतः सैन्य क्षमता के प्रसार पर उसने बल दिया।

• बिस्मार्क ने विलियम कैसर के नेतृत्व में संसद से सैन्य खर्च के लिए अनुमोदन प्राप्त कर सैन्य क्षमता को आगे बढ़ाया।

• बिस्मार्क ने रक्त व लौह नीति के तहत स्पष्ट किया कि जर्मनी का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

एकीकरण युद्धों के माध्यम से ही संभव है।

• इसी क्रम में उसने श्लेसविग-हॉलस्टाइन के मुद्दे पर आस्ट्रिया को साथ लेकर डेनमार्क को पराजित किया, इसके पश्चात उसने आस्ट्रिया से गेस्टाइन समझौता कर उसकी जर्मनी का एकीकरण शुरू किया।

• श्लेसविग व हॉलस्टाइन के मुद्दे पर ही आगे चलकर उसने वहाँ के निवासियों की राष्ट्रवादी भावना को उभारकर युद्ध का वातावरण तैयार किया, फलतः आगे चलकर सेडोवा के युद्ध (1866) में पराजित कर आस्ट्रिया को जर्मनी से बाहर किया।

• इसी तरह उसने 1870 में सेडान के युद्ध में फ्रांस को पराजित कर फ्रैंकफर्ट की संधि के माध्यम

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

से जर्मनी का एकीकरण रहा विफल

7.5/15

* विषय की प्रभावी समझ है।
* विषयवस्तु तथा निष्कर्ष सटीक एवं सारगर्भित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं और यह साम्राज्यवाद से किस प्रकार भिन्न था? (250 शब्द) 15

What do you understand by colonization, and how was it different from Imperialism? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद - किसी औपनिवेशिक शक्ति द्वारा दूसरे राष्ट्र पर राजनीतिक - आर्थिक - प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित कर आर्थिक लाभ प्राप्त करना है। जबकि साम्राज्यवाद सैन्य प्रसार को दर्शाता है, जहां सेना द्वारा किसी क्षेत्र को प्रत्यक्षत: अपने राज्य में सम्मिलित कर लिया जाता है।

Good

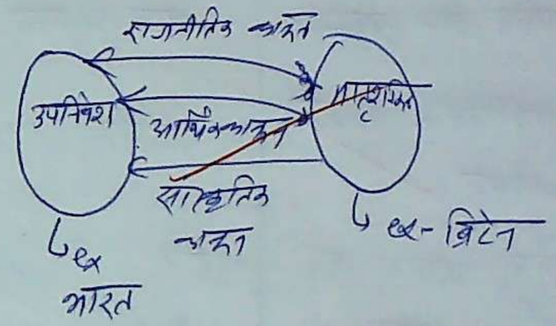

उपनिवेशवाद के तहत एक शक्तिशाली मुख्यत: आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर अन्य राष्ट्र पर नियंत्रण स्थापित करता है, इसी क्रम में वह वहां नवीन राजनीतिक व्यवस्था के निर्माण का भी प्रयास करता है

उपनिवेशवाद की विशेषताओं को विस्तार बताया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- मातृशक्ति उपनिवेशों में औद्योगिक, ~~मैंक~~ मौपाविकल, आर्थिक नीतियों द्वारा उपनिवेशों पर नियंत्रण को सशक्त बनाने का प्रयास करती है)

उपनिवेशवाद	साम्राज्यवाद
• राजनीतिक-सांस्कृतिक आर्थिक नियंत्रण	• प्रत्यक्ष एकीकरण
• आर्थिक हित प्रमुख	• क्षेत्र विस्तार प्रमुख
• औपनिवेशिक कारकों से शोषण	• प्रत्यक्ष शासन
• सैन्य भूमिका की गौण भूमिका	• सेना की प्रमुख भूमिका

7.5/15

संक्षिप्त एवं सारगर्भित निष्कर्ष लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

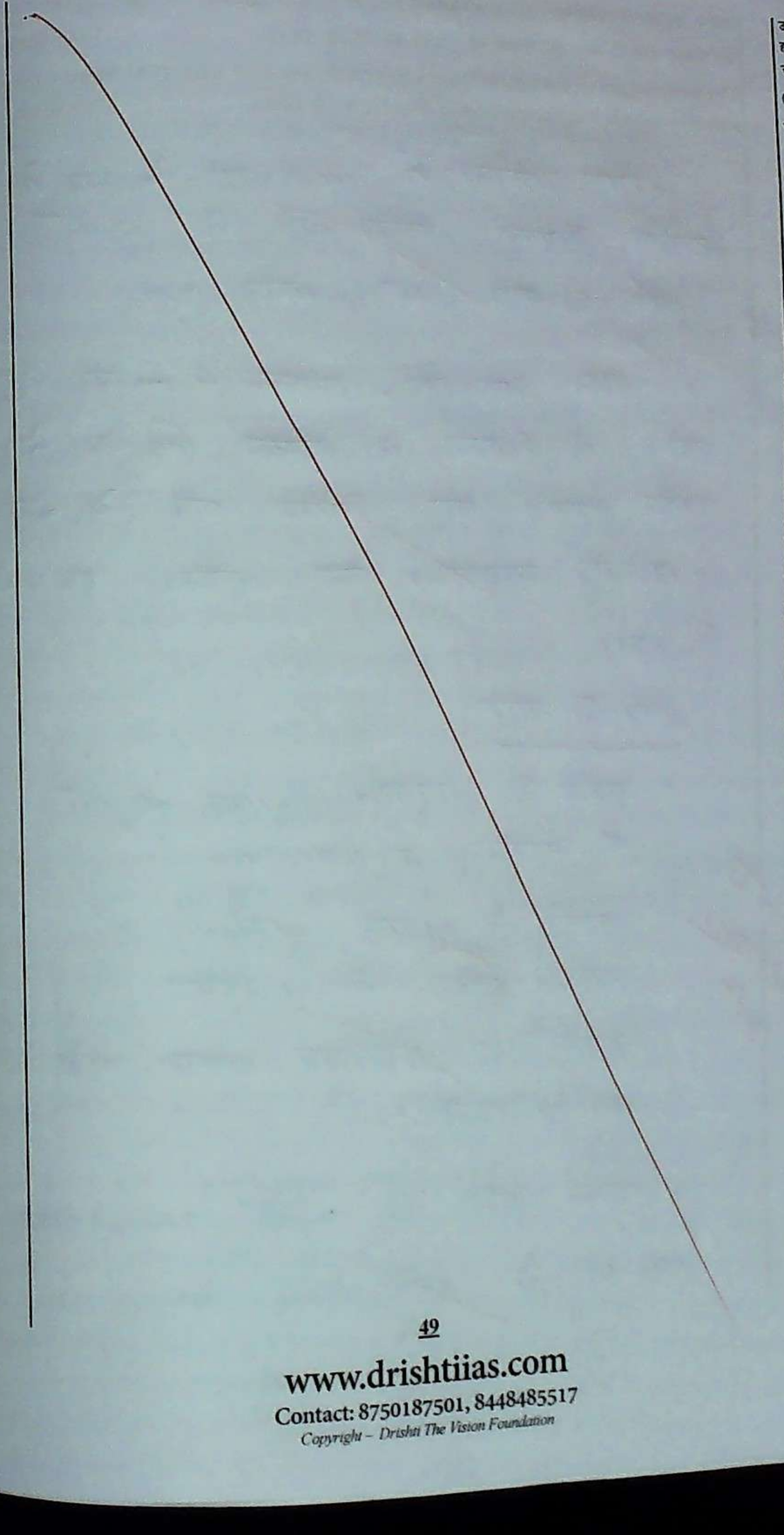

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की व्यवस्था की चर्चा कीजिये जो 1994 में समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को समाप्त करने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the system of Apartheid in South Africa which came to an end in 1994. Mention the role played by India in bringing apartheid to an end in South Africa. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दक्षिण अफ्रीका में 19वीं सदी के अंत में यूरोपीय नियंत्रण स्थापित होने के पश्चात रंगभेद की नीति का आरंभ हुआ।

• वस्तुतः ऑरेंज स्टेट, ट्रांसवाल व फ्रीस्टेट पर ब्रिटेन के नियंत्रण के पश्चात वहां के आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण करने के क्रम में यूरोपीय नागरिकों का आगमन हुआ अफ्रीका में हुआ।

रंगभेद की नीति

• अश्वेतों की पारंपरिक वैवाहिक मान्यता को अस्वीकार कर दिया गया।

• अश्वेतों के पृथक बस्तियाँ व परिवहन ~~[illegible]~~ की व्यवस्था

• अश्वेतों को पहचान पत्र धारण करने की अनिवार्यता।

— मतदान का अधिकार नहीं

दक्षिण अफ्रीका की आबादी 90% जनसंख्या अश्वेत थी, जो अफ्रीकी सरकार के रंगभेद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नीति का शिकार थी, राजनीतिक रूप में लूथुली के नेतृत्व में कांग्रेस ने इस नीति का विरोध किया, जिसका निर्ममता पूर्वक दमन किया गया।

• नेल्सन मंडेला को 1960 के दशक में रंगभेद की नीति के विरोध में जेल में डाला गया।

• किंतु आगे चलकर वैश्विक दबाव व आंतरिक राजनीतिक सामाजिक स्थिति के प्रभाव से डी क्लार्क की सरकार ने रंगभेद की नीति को 1994 में समाप्त कर संसदीय चुनाव कराया और नेल्सन मंडेला राष्ट्रपति चुने गए।

भारत की भूमिका

- नेल्सन मंडेला ने गांधीवादी सिद्धांतों को अपने आंदोलन में अपनाया

• भारत ने स्वतंत्रता के साथ औपनिवेशिक शोषण की आलोचना की।

• प्रतिष्ठित मंचों पर रंगभेदी नीति का विरोध।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

• दक्षिण-दक्षिण व उत्तर-दक्षिण संवाद स्थापित कर इंग्लैंड नीति के लिए वैश्विक समर्थन का वातावरण तैयार किया।

Good

08/15

संदर्भ सहित प्रस्तुतीकरण तथा विषयवस्तु सराहनीय है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation